UGC Approved Journal
Sr. No. 64310

ISSN 2319-8648

Impact Factor - 2.143

Current Global Reviewer

International Research Journal Registered & Recognized Higher Education For All Subjects & All Languages

Dr. Anil Chidrawar
I/C Principal
A.V. Education Society's
Degloor College, Degloor Dist.Nanded

Editor in Chief

Mr.Arun B. Godam

www.rjournals.co.in

Scanned by CamScanner

ADAT VYAPARI EDUCATION SOCIETY'S DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR Dist.Nanded

CURRENT GLOBAL REVIEWER

Half Yearly Issue X Vol II, Nov. 2017-Apr. 2018 Jan. 2018 | UGC Approved Sr. No. 64310 | ISSN : 2319 - 8648 Impact Factor : 2.143

Current Global Reviewer

UGC Approved International Research Refereed Multidiciplanary Journal

Editor In Chief

Mr. Arun B. Godam

ISSUE X Volume II (Half Yearly) Nov. 2017 To Apr. . 2018

Published on Jan. 2018

Editorial Office Address :

Khadgaon Road, Kapil Nagar, Latur, Dist. Latur 413512 (M.S.) India

Contact- 8149668999

Email-

hitechresearch11@gmail.com

Publisher

Shaury Publication

Kapil Nagar, Latur

Contact- 8149668999

Rs. 400/-

EXECUTIVE EDITORS

Dr. Chitta Ranjan Panda
P.G. Deptt. Of Odia
Shailabala Women's Autonomous College , Cuttack – (Orissa)

Dr. U.T. Gaikwad
Dept. of Geography,
Smt. S. D. M. College
Latur, Dist. Latur (M.S.)

Maimanat Jahan Ara
Head, Dept of Political Science,
Sir Sayyed College,
Aurangabad, Dist. Aurangabad

Dr M.U. Yusuf
Dept of Commerce,
Sir Sayyed College,
Auranbadad, Dist. Aurangabad

Dr. Hanumant Mane
R.Guide & Head,
Dept. of Marathi,
Shivchatrapati College,
Kalam, Dist. Osmanabad(M.S.)

B.J. Hirve
Dept. of botany
Vasant Mahavidyalaya,
Kalj, Dist. Beed. (M.S.)

Dr. Pravin Diddeshwar Shete
Dept. of Zoology, Maharashtra
Udaygiri Mahavidyalaya, Udgir,
Dist. Latur

Dr U.V.Panchal
H.O.D, Dept of Commerce,
Deogiri College,
Aurangabad, Dist. Aurangabad

Pro. S.B. Karande
Dept. of Economics,
Shri Bhausaheb Vartak College,
Borivali (W), Dist. Mumbai.

Dr. Sachin Kadam
Dept. of Hindi
Nagarpalika Art D.J. Malpani Comm. & B.N. Sarda Sci. College,
Sangmner, Dist. Ahmadnagar (M.S.)

www.rjournals.co.in

Scanned by CamScanner

ADAT VYAPARI EDUCATION SOCIETY'S DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR * Dist. Nanded *

16	महिलांचा आर्थिक विकास आणि उद्योजकता	डॉ.सतीश बाबुराव डोंगे	70
17	ॲरिस्टॉटलच्या 'नैतिक सदगुण' संकल्पनेचा अन्वयार्थ	पंडगे संतोष रमेशराव	74
18	ग्रामीण साहित्य संकल्पना व स्वरूप	प्रा. डॉ. हनुमंत तुकाराम माने	77;
19	विद्यार्थ्यांच्या सृजनशीलतेचा विकासासाठी कार्यक्रमनिर्मितीचा अभ्यास	प्रा.मरेवाड पी.पी.	81
20	स्त्री उत्थानातील डॉ.बाबासाहेब आंबेडकराच्या कार्य व चळवळीचे योगदान	डॉ.पी.जी. राठोड	86
21	नव्वदोत्तरी स्त्रीवादी कथालेखनातील स्त्रीजीवन	प्रा.डॉ.लक्ष्मण ना.वाघमारे	89
22	'ग्रामीण साहित्य' हा वेगळा प्रवाह कशासाठी ?	प्रा. डॉ. ज्ञानदेव राऊत	92
23	पश्चिम महाराष्ट्र का लिगांयत समाज : एक अध्ययन	डॉ. लक्षटे रत्नाकर बाबुराव	95
24	चार्वाकांचा 'देहात्मवाद'	प्रा. शितल रुद्रमनी येरुले	98
25	योगदर्शनातील मानसशास्त्र	प्रा. भुसारे जी.एन.	100

Scanned by CamScanner

ADV. VYAPARI EDUCATION SOCIETY'S DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR * Dist.Nanded *

CURRENT GLOBAL REVIEWER
Half Yearly Nov. 2017-Apr. 2018 | UGC Approved | ISSN : 2319 - 8648
Issue X Vol II, Jan. 2018 | Sr. No. 84310 | Impact Factor : 2.143

पश्चिम महाराष्ट्र का लिंगायत समाज : एक अध्ययन

डॉ. लक्षटे रत्नाकर बाबुराव
राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, देगलूर महाविद्यालय,देगलूर ता. देगलूर जि. नांदेड, महाराष्ट्र.

----------(23)----------

निसर्ग, जल, ऐतिहासिक धरोहर संपन्न एंव समृध्द पश्चिम महाराष्ट्र मे सोलापूर, कोल्हापूर, सांगली, सातारा, अहमदनगर, पुणे, नाशिक आदि जिलों का समावेश होता है। छत्रपती शिवाजी महाराज, राजर्षी शाहु महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, कर्मवीर भाऊराव पाटील आदि पुरोगामी एंव सुधारवादी राजे, महाराजे, सुधारक एंव शिक्षाप्रेमी के विचार कार्य एंव सहवास से संपन्न पश्चिम महाराष्ट्र है। महाराष्ट्र के शिक्षा का प्रमुख केंद्र पुणे मे औद्योगिक वसाहत भी है। इसलिए पश्चिम महाराष्ट्र मे रहनेवाले सभी धर्म एंव जाती के लोगोंपर यहाँ के सुधारवादी, निसर्गप्रेमी, लोकतंत्रवादी विचारों का प्रभाव है। इस प्रभाव से लिंगायत समाज भी छुटा नही है।

पश्चिम महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली, सोलापूर, जिले की भौगोलिक सीमाए कर्नाटक से लग के है। इसलिए इन जिलों मे लिंगायतो की संख्या अधिक है। खासकर सोलापूर, कोल्हापूर और सांगली मे। सोलापूर महाराष्ट्र के लिंगायतो का केंद्र है। सोलापूर महाराष्ट्र के लिंगायतो का सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, शिक्षा, राजनीतिक क्षेत्र का केंद्र है। सोलापूर जिले में लिंगायतो को सभी सामाजिक स्तरीकरण के लोग रहते है। पश्चिम महाराष्ट्र शरणभुमी है। महात्मा बसवण्णा की कर्मभुमी मंगलवेढा (ता.सांगोला), शरण सिध्दरामेश्वर (सोलापूर शहर), गुड्डापुर दानम्मादेवी (जत,जि.सांगली), गजेश मसणय्या और उनकी पत्नी पुण्य स्त्री कालवा (अक्कलकोट), महात्मा बसवण्णा के पुत्र का जन्मस्थल (मंगलवेढा ता.सांगोली), महात्मा बसवण्णा की प्रथम एंव द्वितिय पत्नी गंगाविका और नीलांबिका (मूल स्थान मंगलवेढा ता.सांगोला),अल्लमप्रभू स्मृतीस्थल आलते डोंगर (कोल्हापूर, आलते) आदि शरणों की जन्मभुमी, कर्मभुमी पश्चिम महाराष्ट्र है।

पश्चिम महाराष्ट्र में कोल्हापूर, सोलापूर, अक्कलकोट, सांगोला, बार्शी, गडहिंग्लज, सातारा, नाशिक, सांगली आदि जिले और तालूके के शहर एंव ग्रामीण में लिंगायतो के मठ है। साथ ही अनेक जगहोंपर शरणों के स्मृतीस्थल महात्मा बसवण्णा के मंदीर, शरणों के मंदिर लिंगायत बोर्डीग, लिंगायत वस्तीगृह, लिंगायत वाचनालय, महात्मा बसवण्णा के नाम से चौक, लिंगायत एंव शरण संस्कृती से सम्बधित गल्ली, कस्बा, गांव, शहरों के नाम, व्यक्ति के आदि नाम दुकानों के नाम, शिक्षा संस्था के नाम, सेवाभावी संस्था के नाम है।

पश्चिम महाराष्ट्र में निसर्ग जल, मराठवाडा और विदर्भ की तुलना मे अधिक मात्रा मे है। या युँ कहे यहा के राजनेता, सामाजिक आन्दोलन के नेतागण, आम नागरिक ने निसर्ग, पर्यावरण एंव इनके संरक्षण पूरक व्यवहार को अपनाया है। इसलिए यहाँ खेती के लिए जल की उपलब्धी है। जल के उपलब्धी से सभी समाज के लोग खेती मे जुट जाते है। शक्कर कारखानों की संख्या अधिक रहने से गन्ने की पैदावार पर अधिक भर दिया जाता है। लिंगायत समाज भी गन्ने की खेती करता है। साथ ही खेतीपूरक व्यवसाय जैसे की दुग्ध, सब्जी, पशुपालन करते है। महाराष्ट्र के लिंगायतों मे पश्चिम महाराष्ट्र के लिंगायतो का सरकारी नौकरी मे प्रमाण और विभाग की तुलना में कम है। पश्चिम महाराष्ट्र में भी अल्पभुधारक लिंगायत बहुत है। लेकिन पानी की उपलब्धी रहने से उनकी खेती फुलती–फलती है। साथ ही यहा के लोग अन्य घरगुती छोटे व्यवसायों मे खुद को व्यस्त करते है। मराठवाडा और विदर्भ की तुलना में पश्चिम महाराष्ट्र का लिंगायत अधिक कायकजीवी है। इसलिए इनकी आर्थिक स्थिती चिंतनीय है, ऐसा महसूस नही होता। लेकिन यहा के भी लिंगायत समाज की आर्थिक स्थिती चितंनिय है।

Scanned by CamScanner

पश्चिम महाराष्ट्र से लिंगायतों का महाराष्ट्र के मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व रहा है। इसमें डॉ. रत्नाप्पा कुंभार, सा.रे. पाटील, विनय कोरे, दिलीप सोपल, विजयकुमार देशमुख, सिद्रामप्पा पाटील, सिद्रामप्पा मेंढे, विश्वनाथ कार्तेकर, अक्काताई मलगोंडा पाटील आदि। सोलापूर, कोल्हापूर जिले के राजनेता महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के सदस्य बने है। तो कुछ राजनेता संसद के प्रतिनिधी बने है, जिसमें काडादी सुशिलकुमार शिंदे (शिवाजीराव धोत्रे) आदि का नाम प्रमुखता से आता है। महाराष्ट्र के मंत्रीमंडल में वर्तमान में मा.विजयकुमार देशमुख राज्यमंत्रि है। इससे पूर्व मा.श्री.विनय कोरे, मा.श्री. दिलीप सोपल, अक्काताई मलगोंडा पाटील कॅबिनेट मंत्री रहे थे। तो सिद्रामप्पा मेंढे भी राज्यमंत्री बने थे। सुशिलकुमार शिंदे गृहमंत्री, कॅबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री, राज्यपाल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे थे। इसके अलावा स्थानिक स्वराज्य संस्था में लिंगायतों का प्रतिनिधित्व सोलापूर महानगरपालिका में महापौर, नगरसेवक, बार्शी नगरपालिका के नगराध्यक्ष, नगरसेवक, कोल्हापूर महानगरपालिका के महापौर, नगरसेवक, पुणे में नगरसेवक, सांगली में महापौर, नगरसेवक तो अन्य तालुका में नगराध्यक्ष, नगरसेवक जिल्हापरिषद अध्यक्ष, अनेक विभागों के सभापती, सदस्य रहे है। जिसमें गडहिंग्लज, जयसिंगपूर, शिरोळ, आजरा, अक्कलकोट, बार्शी आदि तालुके का नाम प्रमुखता से आता है। तो अनेक गांव में लिंगायत व्यक्ति सरपंच है।

पश्चिम महाराष्ट्र में लिंगायत व्यक्ति पर वीरशैव विचारधारा का प्रभाव है। खासकर सोलापुर, सांगली, सातारा, नाशिक, पुणे आदि जिलों मे यह प्रभाव अधिक दिखाई देता है। तो कोल्हापूर में यह प्रभाव लिंगायत विचारधारा की ओर झुकता है। पश्चिम महाराष्ट्र का लिंगायत समाज इष्टलिंग, विभूती, रुद्राक्ष, धारण करते है। लिंगायत समाज शरणार्थी, शरणु शरणार्थी अभिवादन करते है। उपजाती में रोटी-बेटी व्यवहार होता है। राज्य, जिल्हा एंव राष्ट्रीय स्तर पर वधु-वर परिचय संम्मेलन का आयोजन होता है। आंतरजातीय एंव आंतरराज्यीय वधु-वर परिचय संम्मेलन का भी आयोजन होता है।

पश्चिम महाराष्ट्र मे डॉ. माता महादेवी के राष्ट्रीय बसवदल, समेत बसव केंद्र, बसव दृष्टी केंद्र, लिंगायत समाज कोल्हापूर, लिंगायत धर्म महासभा वचन अकादमी, अनुभवमंटप समिती तथा कुछ स्थानिय समाज संघटनों का प्रभाव है। माते महादेवी के ओर से कोल्हापूर के समीप के आलते डोंगर पे हर साल पाडवें को तीन दिन लिंगायत गणमेलावे का आयोजन होता है। कोल्हापूर शहर, आकीवट, शेडशाल, आलास, इचलकरंजी, गडहिंग्लज, पुणे, सांगली आदि जगहों पर अनुभवमंटप नाम से वैचारिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। यह कार्यक्रम हर सप्ताह, हर महिने, हररोज, होता है। तो आकीवट, शेडशाल, आलास, इचलकरंजी आदि जगहोंपर अनुभवमंटप भवन का निर्माण हुआ है। पश्चिम महाराष्ट्र में सबसे अधिक मठों की संख्या कोल्हापूर जिले मे है। कोल्हापूर शहर में कन्हेरी मठ, दसरा चौक में चित्रदुर्ग लिंगायत मठ है। साथ ही गडहिंग्लज, इचलकरंजी, शिरोळ, आजरा, कागल, हातकणंगले आदि तालूका एंव ग्रामों में लिंगायत मठ है। साथही पश्चिम महाराष्ट्र में सोलापूर, सांगली एंव कोल्हापूर जिलें में महात्मा बसवण्णा समेत अनेक शरणों के स्मृती स्थल मन्दीर के रूप मे है।

पश्चिम महाराष्ट्र मे सहकार, उद्योग, शिक्षा क्षेत्र मे लिंगायतो का अच्छा योगदान है। सातारा जिले के कोरेगाव तालुके के कल्याणी, जिने भारत फोर्ज के मालिक या संस्थापक के रूप मे पहचानते है। इस उद्योग समुह के मालिक निलकंठप्पा कल्याणी लिंगायत समाज से है। समता नागरी सहकारी बँक के संस्थापक काकासाहेब कोयटे लिंगायत समाज से है। वारणा उद्योग समुह के तात्यासाव कोरे लिंगायत समाज से है। शक्कर कारखाने, शिक्षा संस्था, दुग्ध व्यवसाय के निर्माण मे तात्यासाव कोरे जी के साथ सा.रे. पाटील, डॉ.रत्नाप्पा कुंभार, काडादी समेत अनेक महत्वपुर्ण नाम है। तात्यासाव कोरे की परम्परा को आगे चलाने का काम विनयजी कोरे ने किया है। वारणा शिक्षा संस्था, महाविद्यालये, वारणा बाजार, वारणा बँक, जनसुराज्य, शक्ती दल, वारणा घी, वारणा सैनिकी स्कुल, वारणा शक्कर, वारणा दुध, वारणा लस्सी, फाउंडेशन आदि कुछ नये

ADAT VYAPARI EDUCATION SOCIETY'S DEGLOOR COLLEGE, DEGLOOR Dist.Nanded
Scanned by CamScanner

DEGLOOR ... Dist. Nanded

CURRENT GLOBAL REVIEWER
Half Yearly Nov. 2017-Apr. 2018 | UGC Approved | ISSN : 2319 - 8648
Issue X Vol II. Jan. 2018 | Sr. No. 64310 | Impact Factor : 2.143

प्रकल्पो का निर्माण विनयजी कोरे ने किया है। विनयजी कोरे के बेटे कुश्ती के खेल मे दिलचस्पी रखकर उसी मे अपना करियर बना रहे है।

पश्चिम महाराष्ट्र से विनयजी कोरे ने जनसुराज्य शक्ती दल की स्थापना कर अपना राजनीतिक क्षेत्र मे स्वतंत्र अस्तित्व निर्माण करने का प्रयास किया है। इस दल का प्रभाव कोल्हापूर, सांगली, सोलापूर, लातूर, नांदेड इन जिलों मे है।

पश्चिम महाराष्ट्र से लिंगायत समाज के अनेक लेखक संशोधक एवं साहित्यीक है। बालासाहेब पाटील (संपादक,बसव पथ), शिवदत्त पुजारी (मिरज) सौ. शशिकलाताई मडकी, राजशेखर मडकी, मधुर स्वामी, प्रा. रंगा शहापुरे, बनवीर मठ, प्रा. डॉ. संगमेश्वर मित्त, प्रा. अशालता देशमुख, प्रा.डॉ.शिराजदार (सोलापूर), डॉ.सविता म्हेत्रेहेटी, डॉ. सुर्यकांत घुगरे (बार्शी), डॉ. ईरेश स्वामी, डॉ.श.दे.पसारकर, प्रा.डॉ.गंगाव, प्रा.रविंद्र पाटील, सुनिल यंब आदि शरण साहित्य या लिंगायत साहित्य पर लेखन कार्य करनेवाले है।

लिंगायत धर्ममहासभा के सचिव बी.एस.पाटील लिंगायत धर्मवार्ता नामक साप्ताहिक चलाते है। जिसके 33,000 वर्गणीदार है। इन्होंने लिंगायत स्वतन्त्र धर्म है इसकी कायदेशीर आधार पर भारत सरकार के अल्पसंख्याक मंत्रालय से पत्रव्यवहार किया है। पश्चिम महाराष्ट्र मे लिंगायत विचारधारा का प्रचार एवं प्रसार करने मे बसवराज कनजे एवं उनके सभी साथी (पुणे), अविनेक देशमाने, प्रदिप वाले, मगदुम, प्रा.ज्योत्सना (सांगली) डॉ. सरिता म्हेत्रेहेटी, श्रीचन्नबसप्पा, श्री माली (जत) सौ. सरलाताई पाटील, बालासाहेब पाटील, राजशेखर तंबाके, चंद्रशेखर बटकल्ली, वर अर्बोले आरती सनेद इनके सभी साथी (कोल्हापूर शहर) प्रा. राजाभाऊ शिरगुप्पे (आजरा) सुनिल गोटखिंडे, आरगावी, बी.एस.पाटील, शोभा शिवणी, राष्ट्रीय बसव दल के डॉ. माते महादेवी और उनके सभी साथी का प्रमुखता से योगदान रहा है। इसलिए पश्चिम महाराष्ट्र मे कोल्हापूर जिला लिंगायत आन्दोलन का केंद्रबिंदु है। लिंगायत आन्दोलन को और अधिक मजबुती प्राप्त होने हेतु पश्चिम महाराष्ट्र मे महाराष्ट्र के सभी लिंगायत संघटनों के नेताओं की सभा वैचारिक, प्रबोधनपर कार्यक्रम, व्याख्याने, समाज संघटन एवं उदबोधन के कार्यक्रम निरंतर चलते है। हाली मे पुणे मे अनुभवमंटप नाम से एक बहुत ही विशाल कार्यक्रम का आयोजन राजशेखर तबांडे, बसवराज कनजे, प्रदिपजी वाले, ने किया था।

संदर्भ ग्रंथ

1. चनके प्रा. बी.एन–हार्ट ऑफ वीरशैविझम पृ.02
2. घुगरे डॉ.सुर्यकांत–वीरशैव व इतर धर्म और समाज-साधना बुक स्टॉल, गडहिंग्लज–दुसरी आवृत्ती–2000–पृ.108
3. वाल्कर ब्रेन्झानीन– हिन्दू वर्ल्ड –खंड 1–पृ.589
4. सॅलेटोद डॉ.आर.एन–एनसायक्लोपिडिया ऑफ इंडियन कल्चर – खंड–1 पृ.183
5. सिंह ओ.पी–मध्यकालिन भारत पृ.39
6. पाटील प्रा.मिनराव –शरण संस्कृतीचा मराठी भुप्रदेशावरील प्रभाव–शरण साहित्य मंडळ, लातूर 2014 पृ.23
7. वही पृ.38
8. वीरूप्राक्षप्पा प्रो.वी. अनुवादक सिंहल ब्रजेंद्रकुमार, प्रथमावृत्ती 2007, बसव और उनकी शिक्षाऐं–बसव समिती, बेंगलूरू–पृ.क 56

Dr. Anil Chidrawar
I/C Principal
A.V. Education Society's
Degloor College, Degloor Dist.Nanded

Scanned by CamScanner